के अनुसार सारा पत्र व्यवहार हिन्दी में ही हो। अधिनियम तथा अनुदेशों को लागू करने में टाइपराइटरों की कमी से किसी प्रकार की कोई रुकावट नहीं आई है।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सेना अकादमी की परीक्षा में हिन्दी माध्यम के लिए विकल्प

168. **श्री राम नरेश कुशवाहा** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे और भारतीय सेना अकादमी, देहरादून की भर्ती परीक्षाओं में अभी तक हिन्दी माध्यम का विकल्प न दिये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) क्या इस विकल्प का प्रावधान न करने से संसद् के दोनों सदनों द्वारा 1967 में सर्वसम्मति से पारित संकल्प का उल्लंघन होता है, और

(ग) यदि हां, तो इन अकादमियों की भर्ती परीक्षाओं में हिन्दी माध्यम का विकल्प कब तक दे दिये जाने की संभावना है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) से (ग) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी दोनों परीक्षाएं पूर्णत वस्तुनिष्ठ होती है जिसमें परीक्षार्थी को प्रश्नों के उत्तर किसी भाषा में नहीं लिखने होते है बल्कि उन्हें दिये हुये उत्तरों में से किसी पर चिन्ह मात्र लगाने होते है। इसलिये इन परीक्षाओं में हिंदी माध्यम का विकल्प देने का प्रश्न नहीं उठता।

Trade turn-over with the United States and the United Kingdom

169. SHRI DIPEN GHOSH:
SHRI K. MOHANAN:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state the amount of trade turn-over with the United States and the United Kingdom during the last 5 years; year-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND IN THE DEPARTMENT OF SUPPLY (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): The year-wise figures of India's total trade turn-over (exports plus imports) with the United States and the United Kingdom during the last 5 years are as below:—

Total trade turn over

(Rs. crore)

Year	United States	United Kingdom
1978-79 . . .	1533·53	1097·60
1979-80 . . .	1814·47	1254·32
1980-81 . . .	2258·01	1124·52
1981-82 . . .	2339·92*	123·85*
1982-83** . .	2320·91*	135·74*

(Provisional)

* Country details do not include export of Crude Oil.

**Provisional and subject to revision.

Losses in public sector undertakings

170. SHRI SUKOMAL SEN:
SHRI ARABINDA GHOSH:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether at a meeting held in January, 1983 with him, the organised labour had proposed a meeting for discussion regarding the losses in public sector undertakings; and

(b) if so, what are the reasons for not convening the meeting with the organised labour?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI S. M. KRISHNA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.